



सम्बद्धार्यं विकास कर्या स्वापक विकास

545 - 003

नहें हते. वर्वावोश वेंग्य र्व्याय वेंग्या वर्ष्य व्यवप्तराय वेव द्या वि ...क्रणभगवर्ग्यन्त्रम् स्वात्रम् वर्ग्यन्त्रम् द्र्यास्य द्र्यास्य द्र्यास्य द्र्यास्य स्वात्रम् वर्ष्यम् स्वात्रम् ग्रुअश्र-म्ग्रुरम्प्नाद्वादिवुक्षेव्याद्दा वृद्कुपर्यस्य द्यत्रोसस्य द्यत्रेवद्य रम्हिसर्यन्वन्द्धियाय्यक्षित्व्वार्याः ।देवसम्बद्धाः स्वत्राम् तह्माद्रयायाञ्चरवाद्वावायन पह्रात्रापायविश्वर्श्यस्य राज्यापः स्रिणाया

|यहिवाहेब्छे।वस्य व्येब्ह्बर्धवाह्येर्ध्यावेश्वर्ध्यावेश्वर्ध्यावेश्वर्ध्या यविद्यानेग्रायद्यायठेअ।याध्याद्यायर्ष्याय्याद्याय्याद्यात्र्याः रियद्रमानिवरिष्ट्र अस्तरास्याम् अस्ति स्त्री क्रियाचित्राचित्र वित्र देश के वित्र के ेर्यस्थरात्रम् इस्थरायाः देश । यहंबाय्ये ही र वी बी दूर कर हुव है। विह्रान्येण गर्वित्वर शूर्य प्रेवर्डिया

45 - 00

क्रयमनेकें बुर्य में वक्क बुर्य मान क्ष्म हो। देर्याम मारा मारा केर वेर्य मारा अध्येव प्रश्वेत प्रश्वेत । विद्याद्या स्थाप स्थाप स्वाप द्या दे प्रविवः ग नेगरा थें दर थे ने रा द्या हि से द्या देते थें ब हु व दर पर्श्व गरा पर शुरे थे । ल्रिस्स्स्य महिन्यावेश च प्रतिकेश च स्मान्य प्रतिका वो स्वचित्रमा बेर्डियात्रवात्या त्रींनायवसात्रीवारायवाराष्ट्रीसाही वह्ययया

900 -

विकरमीयर रु हो दुवा के हिम्दरा हो सर्दरा होराय दरा हुमाय दरा अर व्या कुं वर्ष्वास्य मार्थिय त्र प्राप्त विकार प्राप्त मार्थिय विकार प्राप्त के वर्ष विकार के वर्ष विकार निव्हित्रमाय रहेलाय व वे यहेद्र के कुण ये वैसक्त व कुर व कुर वे किया र कुर य हैद्र व वि द्वी के यर इयापर तथेण परत् शुररों सियम छव यार द्वा के येर संशु नद गार अर्कव ...

TIIS

वकरवर्श्वरायदेदवाचोक्रेयद्वयायरवियोवरव्यूरर्रे विह्यद्वयापदेश्वर्यव रेग्रायश्चित्वा रेग्रायश्चित्वर्धिर्द्यार्क्षेत्ररार्धेरत्देर्प्यसः रेपविवया नेग्रायः पर्कः दर्प्यानेस र्यवाहिस्रेर्यर्वेस्सर्वाची स्वाद्य के स्वाद्य वित्रा से वो स्वाद्य स्वाद्य वित्रा स्वाद्य स्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य ग्रेन्थ्यूस्त्र्यं वेदे के नेहें महीपा न्यूयान्या लहने यस्य में यह पा न्यूया के स्ट्रिस्ट

|अन्त्रस्हे| अपनेशिन्स्हेअपनेशिन्स्हर्द्ध्वर्शहर्म्यिने श्रित्रयम्भृहह्मार्द्रणणवयास्निहित्रवृत्ययम्भूत्रभूत्र धियोरतं नित्या थियोरत्वेरत्ह्यायमा त्रुवारायमायायायायायायात्रमा न्त्रीयायरः श्रूरत्रक्षेत्रवर्षः वर्षायश्रक्षेत्रचित्रवर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षेत्रवर्षायायः ।

देवविवय्निमार्यायर्केद्यमारिसेद्यः देवेश्वर्यक्ष्यं केविद्वहिमाहेवाय्यश्येत्र प्रव लिन्से ह्या भ है। लय दे गयर श्रेपर त्युररी ल्सिड्डिसड्डिशर्यसङ्घे लागस्यार्थेसड्डिलार्यस्यार्थेस्युड्स्यूर्वेस्ययस्य

क्यान्यस्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्याय स्वाद्य

品 र्श्स्य स्वार्य से से मेर्डिन हिंचा हुए। षायस्यात ध्यक्त न प्रहेगन्यस्डी जयस्मानसङ्खा 558

नि एड हैं वर्शें है रें परित्री जिल्ला के अन्य परितृहिं है अने वावाव लख है ने खहा है।

0

.0

यिस्नि हे य द्वास पे शृहे य द्वास परे सूरे युद् यविसर्शेवरिगस्य स्थारी जित्रवा है या से हो खि. १. ऐ. हू. में हूं मी हिंचा है ला

ल्युं है सं हे भ दूर्य है।

いまりへ

र्णयन्त्रीन्युहुष्णयन्त्रीन्युहुहुन्

हे ना गवर्यस्त्र इति स्व द्वास्त्र में सुद्देशस्त्र व्याप यंद्रदेवेकेसदेशकुरावेद इगःस हो ष्णयन्स्रीति सुद्धे लस्ट्रिसंड्रेशर्यं संदेशे ष्यक्रियश्चर्यात्रहुष्या ५५७ व

11545 -

9 रश्चेश **अर्र्**रिक्श हैया वी ालां वर्जे चुन्य साहा ष्ट्रा द्या द

लस्त्रयसु

मृत्रुगारुणा

완

ष्यपने बे म्यु हुं ष्यपने बे म्यु हु हूं व शे हु ने प्रे मे ल्लाम स्ट्रेस्ट्रेयन्स्ट्री यसरतर्भेहें देशहें वा वा व अंग्रेडि से विन्येहें अ देव प्याप में से से देव त्तर द्वे के अर्थ के अ वे च स्वा च वे चर् स रे अ र्भव्यद्रश्चलद्रशास्त्रकारी त. स. १० है १० १० १० ष्यपरिवे मुष्यप्रह्मवयुर्वि के के मिन्द्र हैं पा मुगानुषा

लाइ.ए.५श्रुश्चरी यह

夕高人とのか भू रेश्वृत्व यरदेवके तरवक्षा के वा वे 酒

る意思を हेगागवयञ्जनहेश्वन्य ल्यास्य सार्य

लेवरा हाया साने जाया रे से माया सुरा

ष्यपन्सेमे हत्यु हेषायने भे ह <u>ड्डिस्ड्डेयऱ्स्</u>ड्री

13EM 55'र्डा 2 प्युड्डाई वर्ग है रें यर्डे हो। खें यह से स ष्णयं रसा हा सुद्धुष्णयं रसा हर ∞ इस्त्रेना ग्वाय्यस्त्र ज्ञाते श्राह्म य प्रीह्म अर्ज्य प्राप्त स्थारे श्रुक् लर्सक्षयनिष्या के भूक्ष भूक्ष विषय्या विषय्य में भूक्ष विषय्य विषय्य विषय्य विषय्य विषयः व スパスズ

RO ष्यं यं देश दृध्यं य १इ.य.य.सइ। ट्टिं प्रम पश्जी といればない 9 9 2 त्रप्रध्रयाज्या र्यगाः हु

17675

ष्णयन्त्रेञ्चेन लह हे असुरी रहिला 5531 ष्णयर्वा प्रमुद्धेष्णयर्वे वे प्रमुद्धि हुव्या हुर्य परित्री イボクログラ विराविवाक दराया विराविद्या विरावि

तकराम्से वर्याण्यार्के ले वक्क व्यापरा |तस्रातह्यायाया । छे अर्थे है या स からなる あれる बेद्धिन में हिंदू दिया है या ह ष्णयान्या त्युड्ड ष्णया <u>,तृष्ट्रेतिष्ट्रेश्व.यतिष्ट्री</u> लियम्भूत्रपर्यं मुह्हह्मिन वार्याव्यस्ति हिन्युह्नियात्वा ながく

गद्वियार्कें द्राधे भेष द्यमानु को द्यति अर्दे खेल दे भे मोर योगेरतविरतह्याचा देखेसथडवर्ड्यागचर्टा व्याचेरके भ्रेग्नुरार्टा ग्वेवरहेरेपहेग्रहेग्रवरात्यार्भेग्नर्भेग्नर्भेग्नर्भेग्नर्भे ल.त.इ.मु.२.ल्यं.लीइ.च.ये.त्रच्

लियं अञ्चल द्वारा

ロエば節エズ

SVAN 42.413 ग्राम् हे से स यायावियाचीर्याक्षेर्याक्षेर् 2 देशकेंश्यी:युरार्येचकुर्वियलेंश्वेरत्वी यन्याह्याका 2

ष्प यन्ने वी । पेड़ें य.यं.तंडी षा:गःरवा:५:सङ्ख यादावयाक्षय ल्यारतन्रतह्याया तरेथे गेर त्येत्य **44.24.5.4**

। छोष्यं से स्वा E'T'E'WI न्ध्राम् प्राप्त 18.4 No. ष्यायन्त्रसा ५ स्डुग ल्याब्रिसक्रीय यस् 55.9 परश्हें हुसे । र्यहर्पर है 'ग्यान्यसम्बद्धाः なな गरलगळेंद्रस्थः ने या द्राया पुरुष यद्भयायस्य स्य

भेगेरवरीरवह्णवा देवसर्बस्यस्य राष्ट्रश्चरायार्यस्यस्यस्य । वरव्यूर्यो जिन्ने स्वाभाने जायारेक्षेत्र ज्यू सुद्ध विने के के के णः हिंद्याहिलायद्रभ्रदेशक्षेत्रभ्रहेश्व क्ष्याहिला हिंद्याहिला क्ष्याहिला क्ष्याहिला क्ष्याहिला क्ष्याहिला क्षयाहिला क्ष्याहिला क्ष इस्रोत्यायान्यस्य इति स्वानु भारते शृह्से अञ्च प्यायाने भूते स्वानु विषये दिनः

। यो केय द्रपण कुरोद्द यदि सर्दे र्श्वेष्ट यो यो दत्वी तसा イングランナ वर्द्ध.यल 'ण्डू व अचे वे के हे हे हे हु भा पञ्चाभाक्ता ष्णयन्य म क्रासङ्के सङ्घान्यसङ्ग ष्यायाऱ्यान्य मुख्या 558 ल इस्वेरहा 上でのか

ग्रस्त्वेगळे द्रस्थे भेराद्यम् कुर्यद्यदेशे र्वेरवह्णवा देणवह्रद्रद्रवह्र्युक्रियाश्ची मर्वेर्श्वेवर्रा ूर्वर्ययम् मरायूर्य्यूय्यूरम् म्यार्केर्यम् षायान्यानुष्युःस्मृत्युःपवन्तुःसन्तिन्तुःम्। नृष्युःगानुषा लाई है ला निया है विद्या के से हैं से हैं से हैं। लाय देश हैं लाय हैं लाय देश हैं लाय देश

।ये दृष्डु ईवशे हु रेपर्ड हो प्रश्नुश्चा गरावेगार्केन्द्राधे भेराद्यमानुसेद धेयोरत्वरत्ह्याया देत्रक्षयदेत्वरीकेंगर्यक्ष र्वश्रम्दुशुरस्वयपरमहित्रो । गरमञ्जूमञ्चेत्रवेदव्ययस्यज्ञमञ्जेविदःदःवर्षेत्रयस्यहेद्यरः 当、気がないないない。

न क्रिन्सें इया साम र्बेर्अन्दरा धेर्यानेबायाचेर्डिया वेन्द्रीन्ते हें हुई आ न्ध्रयान्था हुँगन्युड्डा षायरमान्सुड्डाषायर्थम् यर्ने हु इसे वायाव रास्त है से विश्व है से गर'र्गर्कें दर'यो नेश द्रामा हु सेद्या स्थादेश दिया मेर त्रीत्या

व्हियाउ 0 वि.म.क. इ. क्रम् ष्यप्रयानुष्य 60 न्ध्याद्रथा 四 WE'F लयस्य ५ सुडु लय स देनिहें इस हे या या बारा खें हो है । से से से हो हैं।

दं यहित या ने या या पर्दे द्वार्य रत्र्यावा र बिरत्रधमहेवःशित्यस्य प्रतित्यस्य वर्ति । । खेंब्से हु गाभ है। बुंडी ५ हें दें च्या लेंस्ड्रेस्ड्रेयद्स्ड्रि लयर्स्येनस्ड्रेल्यस्थिनस्ड्रे

।श्रेष्टारें पर्छ हे। यास्रेगयाया 18.72g स्वारान्य स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्य द्रमाध्यक्षरारु नुः वय में क्रियातप्रविद्येवरियद्यतर्क्त्रातर्द्यत्यस्य प्रत्ये क्रिंव्ये ह्रगभर

45 - 033

EZEWI 0 र्ण्युड्डिस्डुअन्त्युड्डी अय्येत्रेकेन्युड्डिअय् 小人的一个人 यादेखियाक्षेत्र धीयोरपदेचैरपह्याना देव्हमें देशियं स्थान स

त्र्वेत्या

लरश्चेतरस्रवंश्चेर

। जैन्से इग्ध हो लगर्या मृष्यु सुर्मु व्याप्ये विक्ता में हैं यद्या नव्याप्या लक्नेयय्युव्या न्द्र्य क्रिय्ये क्रिय्य क्रिये क्रिय्य क्रिये क 19.04.2 गरावगाळ ५५

वयरत्यूरर्रे । व्यवस्त्रभः खाय देशी हुए। यम्यू सार्य प्रहिष्ट्या हेया वाष्य यस हो हेया है से के प्रहे से के विकास के से के

545 - 03

गरणणानिगळेषाश्चिसमाद्यायदीणसळेर्प्याश्चेर्याय रुवायविक्रं सम्बद्धव ত্যের অন্তর 思酒 विस्तृ हे हैं दे हैं या हुन 3.2 लगरवानुष्युस्य CAT.P ल्यसङ्ग्रहासङ्ग्रस् लयम्बाद्यहुलय विश्वास्परिते लाराम्य स्रार्थार प्रार्थिह हे महियायाव राज्य नि 37,21 りせきあい

देःचलिवःयानेयाराःया यम्भारी निहुता द्वाया परिभू रे युद्धा विद्वार्पर वा क्यायरणविष्यरदर्गे गर्खुगार्हेर्डव्दर्ग घ्रयश्वरङ्ग्वेपदर्ग र्र्योगर्टा ग्रेर्यम्पर्टा वेर्यूर्ट्या वृण्युच्यायार्यम् रवर्गेकेके.यर्षेक्ष्णमाष्ट्रियानेश्वरात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्र क्रांशि केंद्रां भेराद्या मुंचेद्राय विषक्ति व्यक्ति व्यक्ति विषक्ति विषक्ति विषक्ति विषक्ति विषक्ति विषक्ति व

45 - 038

। छात्रस्याङ्ग षाय देशे ह **अ**न 90 0 σ Š % यउ है। षायास्यान्यसुड्डाषाया E रू कि क्र 179880 इय.म्कृत्यंतर.म्यूड्मित.म्यूड्मित.म्यूड्मित्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र 24. वर्ष **54531** श्रुव य 39

होत परेते पर्ये द्वस्य श्री सुद र्ये दिर्स द्वे पश्च एयर बुर्य श्री केंद्र प्ये के सद्य मार् बेर्यदेशर्भेदिवयर्ग्नवस्थायाः स्पर्यदेश्चित्रं वित्रम्या षायाने वी निष्युष्ट सुन्यु ने विक्री निर्मे ने मुन्यू निष्यु निष्यु निष्यु निष्यु निष्यु निष्यु निष्यु निष्यु विश्वः स्थान्यः भाग ल्स्ड्रेस्ड्रेसर्डेनर्यस्ड्री लाग्न्स्र्रेस्ड्रेल यर्थान्युड्नाईवर्गाञ्चर्यार्रिते। लालम्य भून्यार भुहिह्रम् जायान्य

11545 -

वर्नः भू पर्के के वाची प्रविक्षा प्यान्या खुरण दाय दे विषा था या ने स्वर्ण प्रणा प्रविक्षा या प्राप्त स्वर्ण या प्राप्त जिन्में ह्या भ है जिय रे से ह जू सह व लक् हे शश्ची सह या हु हो

न्ध्यानुषा

लयरेशे हस्डेलयरेशे हस्ड हुन भेड़ रेपरे हो लेंगर भेड़र यरेष्ड गरेलियार्के दर इसिन्यान्य सम्मिन्य स्थाने स्थ ्राष्ट्रर्गानुर्यं र त्युर्यं पर्यादेश स्वाया यस्त्र र तर्या कृता या प्रसुप्त हो है र दि हो य विर्वययाष्ठ न्द्रं नेयविव्य नेयायायायायायायायायायायाया

र्णिव्येङ्ग्याभाष ष्ययन्त्रेसिक्ष लर् हे लंडा में वहुं था। 23.E. ्रवृश्यः द्रःथा नेरयानेषः लगर्यान्यान्युहास्यार्य MWH मान्यायाम् हित्यान्यान्त्रहेत 9 はいないないで 3/3/2 विरावे स्वराधियायर्था अर्था क्रिया पार द्या वयाची या

4

श्लिरहेरुवर्शे मेरावेरतह्यायवा यिथियोर्ग्येर्ग्येर्ग्येय्यार्भेययार्भेययार्भेययया । श्रेरहेरवर्श्ये াব্দ্বাথা क्रिंग विश्व से त्या की से बे बे बे बे बाया पर प्र विरा 1034、74 भि भी से देवो चर्चे द्यते सूर्य स कैंचथाजीयायर्था केया तार देवा तत्त्वाया

सिंहे अयरे वी हिंदियं में में राहे हैं। अंतर से मुन्यरे मुह विजयम् ने ये से प्रतिहैं अद्भाषा पर भू रे ये द्वा <u> यश्रेव्राक्तेवत्तर्या</u> र्ग्यान्द्रभूर्छ्यायगाव्य्यवया पह्मद्रमण्यावस्त्र शुरुप्पद्रा ये दरा स्रुवायोव दर् क्ष देवरयस्य प्रतित्दियाहेत यो स्ट्राही कश्चमं वेपद्रयाचे वा वा व्यवस्था या वा

विषयान्य सकेंद्र स्थे भेगद्ययाः हु सेद्य विषयः यात्रे वायाः 国山大的、口景、比石窟、小岛、田、七二 1यवयर'व वस्व पत्रहेव पत्र भ्रेषाय स्था अि.कू.कितालक्ष्यतस्य क्षेत्रःश्चेय

। श्रेटहेरुव श्रेशेंट छेरवह्ण पव 1यर्बेर:यदे र्हेग्यवया ハイオムシャ विस्वत्रीय सेवया विस्तर्या वस्त्र विष्णुस्त्र विष्णुत्र स्वायव्या श्चिरहे उब खेरी दिन्ते म्राथ्यः বিধবাধা पहिंगाना । पर्से वार्या असे वर्षा ग्रेसिय ग्रायरत्युरा वियायाया हुन स्थित्य ्रिश्चे स्वेद्योयस्य याद्रवस्थेयसः स्वास्य वर्षा क्ष्रिया विकास का मान्य का निवास का निव 47

श्रीर इं र व की मुर्विर वह मानवा विश्वामा विश्वा गणराद्याप्यम्या । विः येशेरयोः वेशास्य क्रियस ह्रेग्राययां । श्रीर हे ठव छे बैर छे र रहेगू पत्रा । नेयर प्रश्नेयया लिवर्से इया भारते । जाया रेसी मुख्य सुद्ध वर लाई. ५ अर्थ श्री सह ता ५२.४। क्रूस है सह यह सह।

यहार्यहें सुर्यं मीरा विरयो वययहिर यह वासे राय स्वाराय है । विस्तर विर्यं से राय है वासे राय से प्रार्थ विस्तर विस के प्रत्यान के प्रत्यान के प्रत्या कि का में प्रत्या के प्रत्या क ारी व नवरमेर बैसार्क्स ख्रीव ख्रीण



DEDICATION OF MERIT

May the merit and virtue accrued from this work adorn the Buddha's Pure Land,
Repay the four great kindnesses above, and relieve the suffering of those on the three paths below.

May those who see or hear of these efforts generate Bodhi-mind,
Spend their lives devoted to the Buddha Dharma, and finally be reborn together in the Land of Ultimate Bliss.

NAMO AMITABHA! 南無阿彌陀佛 HOMAGE TO AMITABHA!

《藏文:長壽經法本》

Printed and donated for free distribution by **The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation** 11F., 55 Hang Chow South Road Sec 1, Taipei, Taiwan, R.O.C.

 $Tel: 886-2-23951198 \;,\; Fax: 886-2-23913415,\; Email: overseas@budaedu.org \;,\; http://www.budaedu.org \;,\; http://www.budaedu.org$

This book is for free distribution, it is not for sale. Printed in Taiwan, 1,200 copies, July 2011

TI545 - 9467





